संत हमारे लिए ईश्वर के समान हैं, उनका अपमान नहीं सहेंगे

विश्व हिन्दू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक सिंघलजी का धरना-स्थल पर वक्तव्य (फोन द्वारा) :

सच बात यह है कि संत आसारामजी बापू के विरुद्ध जो अभियोग लगाये गये हैं, वे बिना जाँच के लगाये गये हैं। बिना जाँच के इस प्रकार का कोई अभियोग चलाना उचित नहीं है। शंकराचार्यजी के ऊपर इसी प्रकार का अभियोग उनके कर्मचारी के विषय में लगाया गया था और उनको जेल के अंदर डाला गया। इससे बढ़कर इस भारत का अपमान नहीं हो सकता। इस अपमान को हम कैसे सहन कर सकते हैं ! संत हमारे लिए ईश्वर के समान हैं। हमने ईश्वर को देखा नहीं है, मगर संतों के प्रवचन होते हैं, उनके द्वारा जो उद्‌गार प्रकट होते हैं उससे भगवान हमारे ध्यान में आते हैं।

संत आसारामजी बापू के विरुद्ध जो अभियोग लगाया गया है कि इन्होंने मारने का कोई षड्यंत्र किया है यह सही नहीं है, इसकी जाँच करनी चाहिए और उनके ऊपर से यह अभियोग हटा देना चाहिए। मैं इसके लिए खुद लगा हुआ हूँ।

मैंने यह भी कहा था कि बापू के आश्रम की तोड़फोड़ की जा रही है, इसको न किया जाय। जिस प्रकार से आश्रमवासियों के ऊपर लाठियाँ बरसायी गयी हैं, यह उचित नहीं था।

जो भी लोग ('इंटरनेशनल स्पिरिच्युअल ऑर्गनाइजेशन' द्वारा चलाये गये) इस धरने पर बैठे हैं, उनका मैं बहुत-बहुत अभिनंदन करता हूँ कि उन्होंने इतने दिन से यह धरना चलाया है और इस धरने का निश्चितरूप से परिणाम होगा। देश के किसी भी संत का किसी प्रकार का अपमान होता है तो बहुत बड़ी गूँज उठती है। मैं आप सबसे और विशेषरूप से उनसे प्रार्थना करता हूँ जिन्होंने अनशन किया हुआ है, वे उसे वापस लें। जो अनशन कर रहे हैं, मैं तो स्वयं पहुँचकर उनके अनशन को तुड़वाता, मगर मेरा अस्वास्थ्य देखते हुए मुझे यहाँ प्रयाग में आना पड़ा है तो वहाँ पहुँच नहीं सकता। मैं आप सबका पुनः अभिनंदन करता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि यह धरना समाप्त करें।

श्री ओमप्रकाश सिंघलजी, अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विश्व हिन्दू परिषद :

पूज्य संत इस देश को जगाने के लिए, इस देश की अस्मिता को जगाने के लिए आते हैं। देश में संतों का अपमान नहीं सहा जायेगा और इस देश में जब तक 'विश्व हिन्दू परिषद' का एक-एक कार्यकर्ता मौजूद है, बलिदान देने की बात आयेगी तो बहुत बड़ी शृंखला है 'विश्व हिन्दू परिषद' और 'बजरंग दल' के कार्यकर्ताओं की।

हम लोग सरकार से अपील करते हैं कि आसारामजी बापू के ऊपर जो भी झूठे केस दाखिल किये गये हैं, वे केस अविलम्ब वापस ले लिये जायें। ❑

हम निंदकों से विचलित नहीं होंगे

लातूर, २२ दिसम्बर : संत श्री आसारामजी बापू के बारे में किये जा रहे कुप्रचार के बारे में बोलते हुए 'आर्ट ऑफ लिविंग' के श्री रविशंकरजी ने कहा : ''धर्म-रक्षण एवं मानव-कल्याणार्थ ईश्वरीय कार्य में लगा हुआ हमारा संत-समाज संतों के खिलाफ प्रचारित इस प्रकार की उलटी-सीधी चर्चाओं को महत्त्व नहीं देगा तथा संत-निंदकों से विचलित नहीं होगा।''

संतों-महात्माओं की निंदा करनेवालों को रविशंकरजी ने फटकारा।

('पुण्यनगरी' समाचार पत्र, औरंगाबाद)